an>

Title: Need to accord status of Central University to Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University, Uttar Pradesh.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर)ः गोरखपुर, उत्तर प्रदेश का एक प्रमुख धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र के साथ-साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश का एक प्रमुख व्यापारिक और शिक्षा का केन्द्र भी है। लगभग 3 करोड़ से ऊपर आबादी के बीच पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी के नाम पर एकमात्र विश्वविद्यालय गोरखपुर में स्थित है। गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 1956-57 में हुई थी। यह विश्वविद्यालय न केवल पूर्वी उत्तर प्रदेश अपितु बिहार और नेपाल के तराई क्षेत्र की उच्च शिक्षा की आवश्यकता की पूर्ति का एकमात्र केन्द्र है। राज्य सरकार के संसाधन सीमित होने के कारण शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने और सम्पूर्ण क्षेत्र के सांस्कृतिक सामाजिक और आर्थिक विकास में विश्वविद्यालय की जो महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए, वह अत्यंत ही सीमित रह गई है। यह वर्ष पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी का जन्मशती वर्ष है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी के नाम पर देश का यह एकमात्र विश्वविद्यालय है।

अतः केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि गोरखपुर के धार्मिक, सांस्कृतिक महत्व के साथ-साथ पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी की जन्म शताब्दी को देखते हुए दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) को केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित किया जाए।